विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग-दशम् ,विषय-हिन्दी,

दिनांक- 15-11-20

Based on NCERT pattern

।।अध्ययन-सामग्री ।।

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में हम रौद्र रस की चर्चा करेंगे ।

रौद्र रस – जहां क्रोध और प्रतिशोध का भाव विविध अनुभावों , विभावों और संचारियों के योग से परिपुष्ट होता है , वहां रौद्र रस की अभिव्यक्ति होती है ।

अवयव –

स्थायी भाव – क्रोध

आश्रय -क्रुद्ध व्यक्ति

आलंबन – अपराधी या दुष्ट विरोधी ।

उद्दीपन -विरोधी के कटु वचन ,अपमान या विरोधी कार्य ।

अनुभाव – भौंह खिंचना , आंखें लाल होना ,होंठ चबाना ,ललकारना ,शस्त्र उठाना ,कठोर भाषण,कंप ,स्वेद आदि ।

संचारी -उग्रता ,अमर्ष ,गर्व , चपलता ,आवेग आदि ।

उदाहरण –

एक दिन न्यूयार्क भी मेरी तरह हो जाएगा जिसने मिटाया है मुझे वह भी मिटाया जाएगा ।

आज ढ़ाई लाख में कोई नहीं जीवित बचा

एक दिन न्यूयार्क में कोई नहीं बच पाएगा ।।

स्पष्टीकरण-- नागासाकी और हिरोशिमा का ध्वंस आलंबन है ।कवि -हृदय और श्रोता आश्रय है ।

क्रोध ,अमर्ष ,आवेग ,संचारी हैं ।

उग्र वचन अनुभाव है ।

श्री कृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे ।

सब शोक अपना भूलकर करतल ध्वनि मलने लगे ।

उपरोक्त पंक्तियों में निहित रस को पहचाने तथा अवयव को दर्शाएं